RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

आजादी की सालगिरह, शांतिलाल मुथा विशेषांक

अमरावती । गुरुवार दि.१५ से २१ अगस्त २०२४ | वर्ष १५ । अंक ६ । पृष्ठ ८ । मूल्य २०रु. | पोस्टल रजि.नं. ATVRNP/268/2021-2024

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन में किसी व्यक्ति का असली रूप गुस्से में ही दिखाई देता है. उससे यह पता चलता है कि वह कितने पानी में है. जिस व्यक्ति का अपने मन पर नियंत्रण नहीं रहता है, वह व्यक्ति जीवन में न कभी अपनों का और न ही किसी और का हो सकता है. संयम, विनम्रता और समझदारी ऐसे गुण हैं जो किसी के दिल में हमेशा के लिए जगह बनाते हैं। इसलिए स्वयं पर नियंत्रण करना सीखना चाहिए.वर्ना जीवन में अकेले ही रहने की नौबत आती है। आपका दिन मंगलमय हो.

मां की ममता से वंचित रहने के बाद भी राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत रहने वाले शांतिलाल मुथ्था सुख्यात बिल्डर के साथ ही समाज बिल्डर के रूप में समाज निर्माण का काम करते हैं. ईमानदारी, सच्चाई को सदैव महत्व देने के साथ ही अपरिग्रह के सिद्धांत का पालन, भारतीयता पर गर्व करने के साथ ही शांति तथा दया,करूणा की भावना को महत्व देने वाले व्यक्ति हैं. विश्वास की भावना को मजबूत बनाने वाले ट्रस्टी के साथ ही शेअरिंग और केअरिंग को जीवन का सिद्धांत बनाया है. १९९३ में हिन्दू–मुस्लिम दंगों के दौरान पुणे से नागपुर शांतियात्रा का आयोजन करते हुए शांति को ही विकास का महत्वपूर्ण चरण माना, सर्वधर्म समभाव के माध्यम से राष्ट्र के विकास की भूमिका पर सदैव काम किया. भारतीय शब्द को उन्होंने आदर्श सम्मान देते हुए भारतीय जैन संगठन की स्थापना करते हुए राष्ट्रीयता की कल्पना को साकार किया. भूकंप जैसी आपदा के समय बच्चों की शिक्षा का उनका कार्य महान कामों की श्रेणी में गिनना अतिशयोक्ति नहीं होगी।

समाजहित के लिए पानी से मूल्यवर्धन शिक्षा तक का परिचय कराते

देश के शांतिलाल मुथा

शांतिलाल मुथ्था का जन्म बीड जिले के डोंगरकिन्ही नामक एक बहुत छोटे से गाँव में हुआ था। घर की आर्थिक स्थिति बहुत ख़राब थी, जब वह केवल छह महीने की थी तब माँ की अचानक मृत्यु हो गई। चूंकि बीड जिला एक सूखाग्रस्त जिला है, जब गन्ना काटने वाले प्रवरनगर चीनी कारखाने में जा रहे थे, उनके पिता उनके साथ प्रवरनगर चीनी कारखाने में गए और उनके पिता उस छोटे से गाँव में किराने की दुकान चलाने के लिए काम कर रहे थे। अपनी माता की मृत्यु के कारण शांतिलाल मुथ्था की ११वीं कक्षा तक की शिक्षा बीड जिले के कड़ा में अमोलक जैन विद्याप्रसारक मंडल के छात्रावास में हुई। छात्रावास में पढ़ते समय छात्रावास के कुछ छात्रों को जैन समुदाय के एक बड़े विवाह समारोह में गदापियों के रूप में आमंत्रित किया गया था और इससे छात्रावास को दान मिला था। उन्होंने चार साल तक ऐसी बड़ी शादियों में आयोजक के रूप में काम किया। उस समय जैन समाज में विवाहों पर होने वाले भारी खर्च को देखकर उनका मन विचलित हो गया। साथ ही उन्होंने शादी के खर्चों को कम करने के लिए काम करने का फैसला किया।

कॉलेज की पढ़ाई के लिए पुणे आने के बाद उन्होंने एक हॉस्टल में दाखिला लिया और १९७६ में प्राइवेट नौकरी की। बी.कॉम. तक की शिक्षा पूरी की फिर बिना पूंजी वाला एस्टेट एजेंट बिजनेस शुरू किया। जनसम्पर्क बढ़ने के कारण उन्होंने निर्माण व्यवसाय में पदार्पण किया। सात–आठ साल तक बड़ी ईमानदारी से कंस्ट्रक्शन का कारोबार किया। उसके बाद भी, जब निर्माण व्यवसाय में अवसर उपलब्ध थे, तो उन्होंने ३१ वर्ष की आयु में व्यवसाय से संन्यास ले लिया और जीवन भर सामाजिक कार्य करने का निश्चय किया।

सामाजिक कार्य

बचपन से ही विवाह में होने वाले अनावश्यक खर्चों को कम करने की इच्छा रखते हुए, उन्होंने परिवार की सभी समस्याओं जैसे उचित विवाह की व्यवस्था करना, वास्तविक विवाह के दौरान होने वाले खर्चों को व्यवस्थित करना, दहेज की मात्रा कम करना, लड़कियों की घटती संख्या के बारे में जागरूकता पैदा करना आदि पर काम करने का निर्णय लिया। विवाह के लिए उपयुक्त साथी का चयन करने के लिए वर–वधू परिचय सम्मेलन, सामूहिक विवाह, दहेज मुक्त विवाह, लड़कियों की घटती संख्या पर जन–जागरूकता आदि तेजी से शुरू किये गये। प्रारंभ में पूरे महाराष्ट्र में जैन समुदाय के २५, ५१ और

(शेष पेज २ पर)

सर्वाधिक लोकप्रिय हिन्दी अखबार विदर्भ स्वाभिमान का सदस्य बनने तथा विशेषांक के लिए संपर्क करें

– सम्पर्क –

9423426199, 8855019189

9420406706

विशेष सहयोग

सुदर्शन गांग अतिथि संपादक

डा.अजय बोंडे, श्वेता सुभाष दुबे

एवं साज सज्जा

संजय भोपाळे – 8806058697

विशेष संपादकिय

आजादी का गौरव दिन

देश की आजादी की आज ७८वीं सालगिरह है. इस उपलक्ष्य में सभी देशवासियों तथा पूरे विश्व में अपनी कामयाबी का झंडा गाड़ने वाले समस्त भारतीयों को मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. आजादी के ७८ वें वर्ष में पदार्पण करते हुए जहां देश की उपलब्धियां को लेकर भारतीय के रूप में गर्व महसूस होता है वही इससे भी अधिक तरक्की अगर कुछ कमियां नहीं होती तो निश्चित तौर पर भारत देश में करने की क्षमता है इससे कोई भी इनकार नहीं कर सकता. आजादी के लिए लाखों लोगों ने अपने प्राणों की आहुति दी. उनके ही त्याग और समर्पण का उपभोग आज हम आजाद भारत के नागरिक के रूप में कर रहे हैं. आजादी के लगभग ८ दशकों में भारत ने हर क्षेत्र में प्रगति की है. अंतरिक्ष में झंडा गाड़ने से लेकर देश की सीमाएं हमारे जवानों द्वारा पूरी तरह से सुरक्षित रखी जा रही है. किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसके अपने नागरिकों के समर्पण और राष्ट्र के प्रति उनकी भावनाओं से होती है. हर भारतीय को देश की तरक्की में अपना अधिकतम योगदान देते हुए आजादी के लिए जान देने के लिए तत्पर रहकर हमें आजाद करने वाले स्वाधीनता सेनानियों को सदैव याद रखना चाहिए. साथ ही हमेशा यही भाव अपने मन में रखना चाहिए कि अगर राष्ट्र सुरक्षित है तो ही हम सुरक्षित रह सकते हैं. वरना हमारे ही पड़ोस में बांग्लादेश में वर्तमान में उत्पन्न स्थिति से पूरा विश्व हैरत में है. आजादी की खुशियों के साथ हम सभी देशवासियों का यह कर्तव्य बनता है कि हम अपनी ओर से राष्ट्र के लिए क्या कर सकते हैं, इसका चिंतन हर भारतीय को करने का प्रयास करना चाहिए. विदर्भ स्वाभिमान, आनंद परिवार की ओर से सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं.

देश आजादी की ७८वीं सालगिरह मना रहा है. इस दौरान देशभर में विभिन्न कार्यक्रम होंगे. हर घर तिरंगा अभियान से देशप्रेम का भाव सभी में बढ़ रहा है. विशेष रूप से हमारे बच्चों में जब राष्ट्र प्रेम बढ़ेगा तो निश्चित तौर पर वे देश का भविष्य बनकर देश के लिए कुछ करने का प्रयास करेंगे. आजादी की तरक्कियों के साथ ही हमें देश को आगे ले जाने से रोकने वाली बातों पर भी गौर करना होगा. कहते हैं कि दुनिया में वही देश आगे होते हैं, जिनके देश का हर नागरिक जाति, धर्म, पंथ, भाषा की बजाय देश के बारे में सोचते हैं. सभी के साथ से ही देश का विकास होता है. हमें यह नहीं भूलना चाहिए.

आजादी शब्द लोगों को पता है लेकिन देश का दुर्भाग्य है कि इसका महत्व लोग नहीं समझ पाए हैं. भारतीय शास्त्रों में भी आजादी का महत्व बताया गया है. लेकिन आजादी यानी बेबंदशाही नहीं है. जीवन में नियंत्रित व्यक्ति ही सदैव सही तरीके से तरक्की कर सकता है. आजादी के बाद हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है. इस दौरान जश्न के नाम पर जिस तरह युवाओं में बेलगाम वाला रवैया दिखाई देता है, वह निश्चित ही आजादी के मापदंड में नहीं आ सकता है. आज आजादी का अधिकार सभी चाहते हैं लेकिन आजाद रहने के बाद हमारी क्या जिम्मेदारियां होती हैं, यह जब हम सही तरीके से निभाते हैं तो निश्चित तौर पर देश और हमारा जीवन भी संवरता है.माता-पिता ने बच्चों के लिए सब कुछ करना चाहिए, यह बच्चे जानते हैं. लेकिन बारी जब कर्तव्य की आती है तो हम अक्सर भूल जाते हैं.देश ने ७७ सालों में भरपूर प्रगति की है इससे इंकार नहीं कर सकते हैं. लेकिन आज भी कई समस्याएं हैं, जो सभी के साथ से दूर की जा सकती है. लेकिन नहीं हो सकी हैं तो इसका कारण और निवारण दोनों ही करने का प्रयास करना चाहिए.आजादी की सालगिरह १५ अगस्त को सभी देशवासियों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है. स्थिति यह है कि महंगाई, गरीबी ने सभी को त्रस्त किया है. लेकिन इस बारे में सोचने की जरूरत है. आजादी की सालगिरह पर सभी देशवासियों को जिम्मेदारी का संकल्प लेना चाहिए. ऐसे में यह सोचना कि देश ने हमें क्या दिया,उसकी बजाय हमने देश को क्या दिया है, यह सोचने की जरूरत है. देश को आजादी दिलाने के लिए करोड़ों ने कुर्बानी दी, तब जाकर हम आज हम सुकून की नींद ले रहे हैं.आजादी की सालगिरह पंद्रह अगस्त की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं. उम्मीद की जानी चाहिए कि आजादी की सालगिरह पर सभी देशवासी एकता, अखंडता के साथ ही देश की प्रगति में हम उसी तरह का योगदान देने के लिए आगे रहेंगे. देश हम सभी का है, इसलिए जिम्मेदारी भी इसे संवारने, सहेजने तथा प्रगति में योगदान देने की भी हम सभी की है.आजादी की सालगिरह पर विदर्भ स्वाभिमान के सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, देशवासियों को मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुधाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अंकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है. मोबाइल नंबर ९४२३४२६१९९/८८५५०११९८९.अखबार में प्रकाशित होने वाले विविध पत्र,साहित्य,लेखकों, कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.
संपादक सुधाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुधाषचंद्र दुबे.

मुथाजी द्वारा किए गए शैक्षणिक कार्य

वर्ष २००३ में, भारत में जिला परिषदों ने प्राथमिक विद्यालयों के मानक को बढ़ाने और मूल्यवर्धन शिक्षा प्रदान करने का प्रयास शुरू किया। इसके लिए मान्यता, शिक्षक प्रशिक्षण, प्राचार्य प्रशिक्षण, अभिभावकों और अन्य संगठनों के साथ संचार जैसे विभिन्न मॉड्यूल बनाकर महाराष्ट्र, गोवा, अंडमान की राज्य सरकारों के साथ एक समझौता किया गया और जिला परिषद स्कूलों में ठोस काम करने का अवसर दिया गया। निकोबार, गुजरात, मध्य प्रदेश, मेघालय। इन सभी अनुभवों के आधार पर २००९ में मूल्य शिक्षा पर आधारित एक मूल्य संवर्धन कार्यक्रम बनाया गया। इस पहल का कार्यान्वयन बीड जिला परिषद के ५०० स्कूलों में ३५ हजार छात्रों के साथ शुरू हुआ। कार्यक्रम का मूल्यांकन एनसीईआरटी, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय और ऑरेगॉन विश्वविद्यालय द्वारा सात वर्षों में किया गया था। इससे विद्यार्थियों में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन दिखा। इन सभी अनुभवों के आधार पर २०१५ में एक संशोधित मूल्यवर्धन योजना तैयार की गई। महाराष्ट्र सरकार ने कक्षा १ से ४ तक के लिए मूल्यवर्धन कार्यक्रम और गतिविधि मैनुअल की योजना की समीक्षा और मंजूरी दे दी है। इसे २०१६ में ३४ जिलों में से प्रत्येक में एक केंद्र पर शुरू किया गया था। साल २०१७ में भारी बदलाव के साथ, राज्य सरकार ने मूल्यवर्धन कार्यक्रम के दायरे को १०७ तालुकाओं के २०,००० स्कूलों के दस

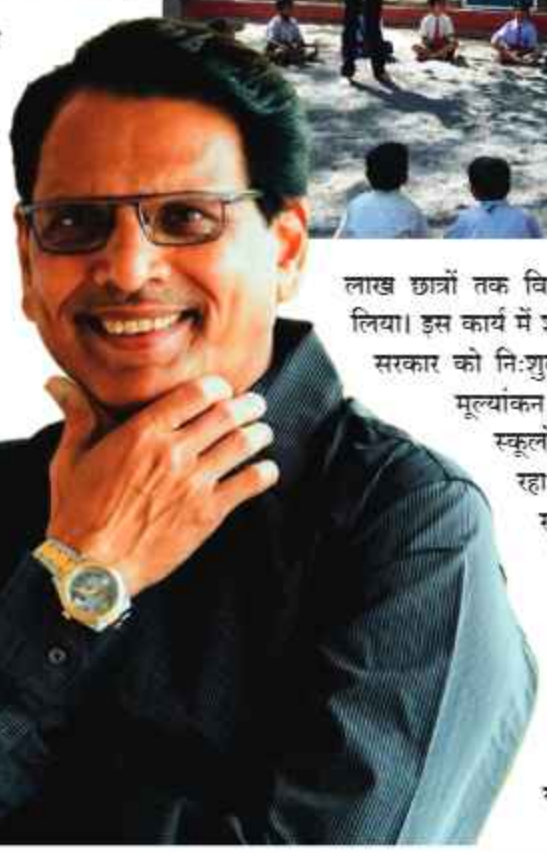

लाख छात्रों तक विस्तारित करने का निर्णय लिया। इस कार्य में शांतिलाल मुथा फाउंडेशन सरकार को नि:शुल्क सहयोग कर रहा है। मूल्यांकन कार्यक्रम जिला परिषद स्कूलों में बड़ा बदलाव लाने जा रहा है। महाराष्ट्र सहित गोवा के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में दो साल से मूल्य संवर्धन चल रहा है। आजादी के बाद देश में जिला परिषद स्कूलों द्वारा सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया यह सबसे बड़ा कार्यक्रम है।

पेज १ से आगे

१०० सामूहिक विवाहों का आयोजन कर इस समस्या का समाधान करने के उद्देश्य से ३००० कि.मी. चल दिया. उसके बाद महाराष्ट्र में लगातार सभी जातियों और धर्मों में वर-वधू परिचय, सामूहिक विवाह होने लगे। वर्ष १९८५ में एस.पी. पुणे में सभी जातियों और धर्मों के ६२५ सामूहिक विवाह हुए। इसका आयोजन कॉलेज परिसर में किया गया. एक छोटा सा काम देशव्यापी आंदोलन बन गया. इस उद्देश्य से उन्होंने १९८५ में भारतीय जैन संघ की स्थापना की।

प्राकृतिक आपदा प्रबंधन

१९९३ के लातूर भूकंप के दौरान, वहां के बच्चों की शैक्षिक क्षति को रोकने के लिए १२०० भूकंप प्रभावित छात्रों को शैक्षिक पुनर्वास के लिए पुणे लाया गया था और भारतीय जैन एसोसिएशन की वाघोली शैक्षिक पुनर्वास परियोजना की स्थापना की गई थी। लातूर के बच्चों के इस प्रोजेक्ट से चले जाने के बाद लगातार मेलघाट और ठाणे इलाके से आदिवासी छात्रों को यहां लाया जाता रहा. जम्मू-कश्मीर भूकंप से ५०० छात्रों को शिक्षा के लिए पुणे लाया गया। आत्महत्या करने वाले

किसानों के ६०० बेटे-बेटियों का शैक्षिक पुनर्वास पिछले तीन वर्षों से सफलतापूर्वक चल रहा है। इस परियोजना में इन छात्रों के लिए एक ममानसिक स्वास्थ्यफविभाग स्थापित किया गया है। २००१ में लातूर भूकंप, गुजरात भूकंप के बाद चार महीने तक उस स्थान पर रहकर ३६८ स्कूलों का निर्माण कराया, तत्कालीन प्रधान मंत्री मा. इसे अटल बिहारी वाजपेई ने गुजरात सरकार को सौंप दिया था। इस माध्यम से तीन माह में १ लाख २० हजार विद्यार्थियों को स्कूल में बैठने की व्यवस्था करायी गयी. २००५ की सुनामी के दौरान, तमिलनाडु और अंडमान-निकोबार में बड़े पैमाने पर रहे और काम किया। अंडमान-निकोबार द्वीप के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और ११ स्कूलों का निर्माण कर सरकार को सौंप दिया गया। एनडीएमए के साथ समझौते के जरिए जम्मू-कश्मीर में आए भूकंप के दौरान एक महीने में १५ हजार लोगों को रहने की सुविधा दी गई. नेपाल में आए भूकंप के दौरान तीन महीने तक बड़े पैमाने पर राहत कार्य चला। हर साल महाराष्ट्र के सूखे के दौरान लगातार काम किया जा रहा है। २०१३ में, बीड जिले की ११७ झीलों से रिकॉर्ड २ मिलियन क्यूबिक मीटर तलछट निकाली गई थी। अप्रैल-मई २०१७ में पानी फाउंडेशन ने ४०० गांवों में ४९० जेसीबी और पोकलेन की मदद से कड़ी मेहनत की, जहां ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर श्रमदान किया।

शांतिलाल मुथा आदर्श नेतृत्व,हर जन के मन में हो देश प्रेम

समाजसेवी सुदर्शन गांग ने कहा,राष्ट्र हो सबके लिए प्राथमिकता

विदर्भ स्वाभिमान, १४ अगस्त

अमरावती – आज दोहरी खुशी का मौका है, जब देश की आजादी की सालगिरह के साथ ही भारतीय जैन संगठन के संस्थापक और सामाजिक, मानवीय, पर्यावरण संतुलन के साथ ही जल है तो कल है के प्रयासों को पूरी तरह से समर्पित रहने वाले शांतिलाल मुथा का जन्मदिन है. देश की तरक्की में जब हर व्यक्ति का योगदान मिलता है तो देश जापान और अमेरिका की तरह ही तरक्की करता है. देश के विकास में हर व्यक्ति का योगदान मायने रखता है. हम सभी के लिए राष्ट्र पहली प्राथमिकता होनी चाहिए, साथ ही सभी का प्रयास यही हो कि हम राष्ट्र को क्या दे सकते हैं. धन के साथ आदर्श संस्कार, हमारी संस्कृति, अथक मेहनत कर स्वयं की तरक्की करते हुए भी देश के विकास में हर व्यक्ति योगदान दे सकता है. जब हर नागरिक में यही भाव होता है तो निश्चित तौर पर राष्ट्र तेजी से आगे बढ़ता है. इस आशय का प्रतिपादन भारतीय जैन संगठन के विश्वस्त समाजसेवी सुदर्शन गांग ने किया. जन्मदिन पर शांतिलाल मुथा को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी राष्ट्र के प्रति धारणा हम सभी के लिए प्रेरणा से कम नहीं है.उन्होंने जीवन को मुल्य आणि मूल्य की धारणा पर ही उनका हर कार्य रहता है.

देश की आजादी हमें सहजता से नहीं मिली है. इसके लिए अनगिनत स्वाधीनता सेनानियों, जवानों ने कुर्बानी दी है. इनके त्याग, बलिदान के कारण हमें आजादी मिली है. ऐसे में हम सभी भारतीयों के लिए पहली प्राथमिकता हमारा राष्ट्र रहना चाहिए. वैसे भी विश्व में हमारा देश सदैव सभी के लिए सम्माननीय रहा है, विश्व के अध्यात्म गुरु के रूप में सम्मान प्राप्त किया है. आजादी के दीवानों ने देश को आजाद करा दिया. उनके अरमानों और सपनों का भारत तैयार करना हम सभी की जिम्मेदारी है. भारतीय संविधान ही इतना महान है, जिसमें अनेकता में एकता, विभिन्न जाति,धर्म,पंथ, भाषा रहने के बाद भी सभी को एक ही प्लेटफार्म पर लाने की क्षमता है.तमाम उहापोह, राजनीतिक अनिश्चिता के बाद भी एकता की कड़ी को यह कमजोर नहीं होने देता है.यह दुनिया का एकमात्र देश है, जिसने अपने संस्कारों की विरासत कायम रखी है. भारत ने आज तक स्वयं कोई भी युद्ध नहीं किया लेकिन अपनी स्वरक्षा के प्रति दृढ़ संकल्प रहते हुए जीतता रहा है. भारतीय सेना के जैसी समर्पित सेना नहीं है. राजनीति से परे रहकर भारतीय सेना ने सदैव राष्ट्र की गरिमा और संप्रभुता के लिए समर्पित काम किया है. इसके साथ ही आजादी का मतलब जिम्मेदारी, उत्तरदायित्व स्वच्छंदता नहीं होना चाहिए. आजादी का मतलब जिम्मेदारी देश के लिए सदैव समर्पित रहते हुए इसके गौरव और गरिमा के लिए हम जिस योग्य भी हैं, उसके माध्यम से योगदान देने का प्रयास होना चाहिए. भारत को युवाओं का देश कहा जाता है. जहां अनुभवी बुजुर्गों की संख्या देश में भरपूर है, वहीं उनके अनुभव को वास्तविक रूप देने की ताकत वाले करोड़ों युवा हैं. पूरे विश्व में हम संस्कृति, परम्परा, अनेकता में एकता के लिए सम्मान की दृष्टि से देखे जाते हैं. आजादी का अमृत क़ाल जहां खुशियों का महापर्व है, वहीं दूसरी ओर समस्त देशवासियों को बाकी सभी बातों के साथ राष्ट्र के प्रति समर्पण को प्राथमिकता की सूची में रखना चाहिए. जितनी आजादी हमारे देश में है, उतना शायद ही विश्व के किसी देश में है. आज अगर राष्ट्र के लिए सबसे जरूरी कोई बात है तो यह वही है कि देश की तरक्की से जलने वाले राष्ट्रों को मंसूबों को फेल करते हुए देश को मजबूत बनाने की जिम्मेदारी हम सभी भारतीयों की है. अखंडता अगर हमने कायम रखी तो कोई भी ताकत हमारा बाल भी बांका नहीं कर सकती.समस्त देशवासियें को आजादी की सालगिरह पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं भी दी.

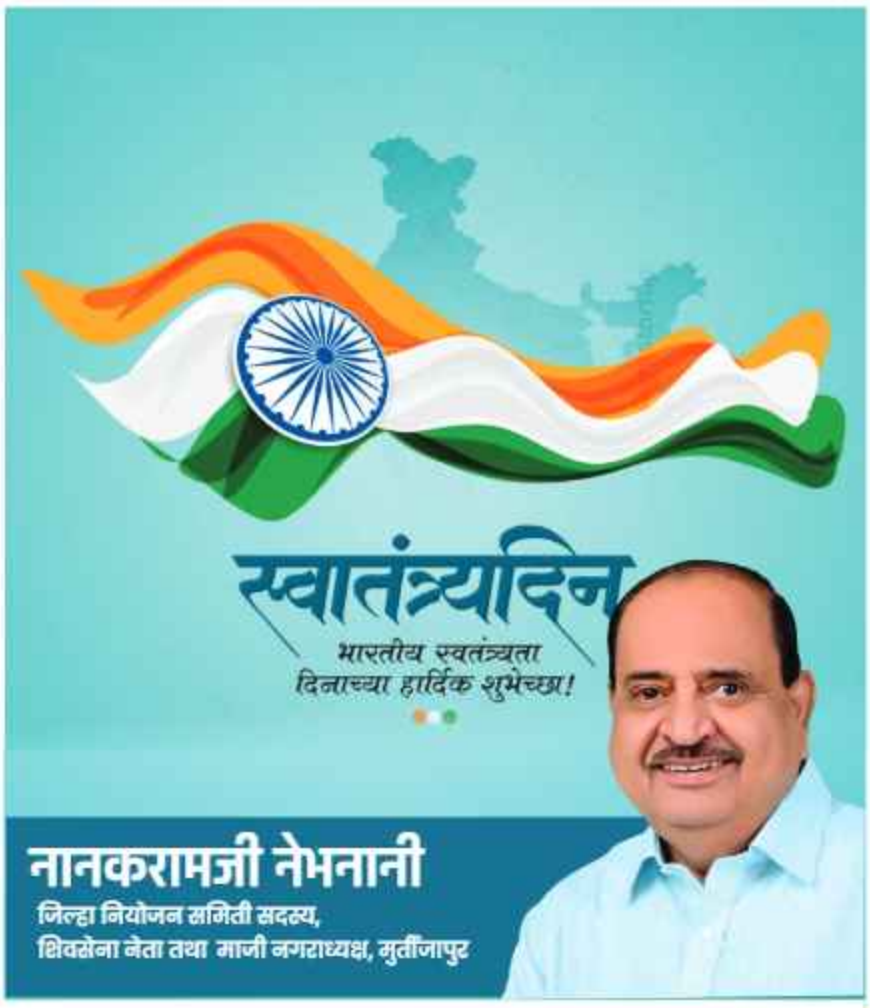

पूछो ना हमसे , हमारी क्या पहचान है
मर मिटूँ तिरंगें पे , बस यही अरमान है !
ना हिन्दू , ना मुस्लिम , ना सिख , ना ईसाई
पहले हम एक इंसान हैं, मेरा भारत महान है !!
पूछो ना हमसे , हमारी क्या........

गंगा यमुना , मंदिर मस्जिद के संग गुरुद्वारे
पग - पग लगते वन्दे - मातरम के नारे !
शांति प्रेम भाईचारे जिसकी पहचान , समता
हर दिल में हिंदुस्तान हैं , मेरा भारत महान है !!
पूछो ना हमसे , हमारी क्या........

शत - शत नमन उन अमर शहीदों को,
जिस जिसने लहू से अपने इसे संवारा है
जिसमें बहकर पहुँची आज़ादी , हम तक
करूँ नमन उनको. गाथा जिनकी महान है !!
पूछो ना हमसे , हमारी क्या........

देखो आया ले कर सूरज, एक नया विहान है
देता संदेश सबको, मानव मानव एक समान है !
समता ममता एकता का हर पर्व जहाँ महान है
क्या कहूँ, कण - कण में बसता यहाँ भगवान है !!
पूछो ना हमसे , हमारी क्या......

दिशा - दिशा गूँज रहा , बस भारत का जयगान है
विजयी - विश्व तिरंगा प्यारा अपना सबसे महान है !
पूछो ना, क्यों रहता हर दिल में यहाँ हिंदुस्तान है ?
क्योंकि, भारत अपना महान है, महान है, महान है!!

मेरा भारत महान ..!

सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें ...!!

सभी लें राष्ट्र विकास में योगदान देने का संकल्प

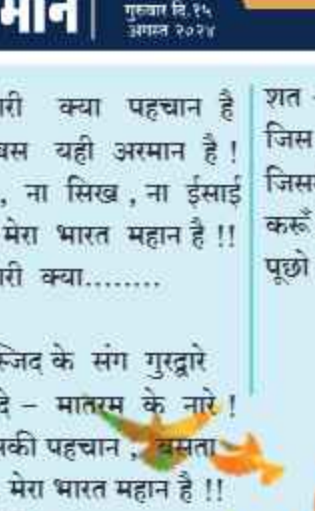

समाजसेवी नानकराम नेभनानी ने दी शुभकामनाएं

विदर्भ स्वाभिमान, १४ अगस्त

अमरावती - यह देश है वीर जवानों का, अलबेलों का मस्तानों का इस गीत से ही हमारे देश की महानता का पता चलता है. इस देश की खूबियों की नकल आज पूरा विश्व कर रहा है. यह है हमारे देश की महानता. आजादी की सालगिरह पर सभी को शुभकामनाएं देने के साथ ही राष्ट्र विकास में सभी को अपना योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए. विश्व में इसे फिर से वही सम्मान दिलाने के लिए मोदी सरकार कार्यरत है लेकिन जिस देश के नागरिकों में राष्ट्र के प्रति समर्पण होता है, वही देश सदैव आगे बढ़ता है. इस आशय का मत अल्प समय में ही लोगों में अपार लोकप्रियता प्राप्त समाजसेवी नानकराम नेभनानी ने किया. उन्होंने कहा कि देश की आजादी का अमृत महोत्सव सभी देशवासियों के लिए गर्व का विषय है. देश की प्रगति में सभी का योगदान है. यही कारण है कि आज भारत ही सबसे शांतिप्रिय, सभी को साथ लेकर चलने वाला राष्ट्र बना है. इसका मजबूत लोकतंत्र इसकी सबसे बड़ी ताकत है. जनता का योगदान अच्छे काम में रहता है. सभी भारतीयों को राष्ट्र के विकास का संकल्प लेते हुए इसकी गरिमा, इसकी एकता,अखंडता में अपना योगदान देने का प्रयास करना चाहिए. आजादी के लिए लाखों स्वाधीनता सेनानियों, जवानों ने कुर्बानी दी है. इनके त्याग, बलिदान के कारण हमें आजादी मिली है. ऐसे में हम सभी भारतीयों के लिए जाति,धर्म,पंथ,भाषा,प्रांतवाद से भी ऊपर राष्ट्रवाद रहना चाहिए. राष्ट्र के ऊपर कोई भी नहीं है. इसका विचार सदैव करना चाहिए. आजादी के दीवानों ने देश को आजाद करा दिया. उनके अरमानों और सपनों का भारत तैयार करना हम सभी की जिम्मेदारी है. भारत को युवाओं का देश कहा जाता है. आज युवाओं का बल, बुजुर्गों का अनुभव राष्ट्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. आजादी की ७८वीं सालगिरह पर उन्होंने अमरावती सहित समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं दी. साथ ही कामना की कि सभी के सहयोग से फिर से भारत सोने की चिड़िया बनने से कोई नहीं रोक सकेगा.

सभी ने दिया है राष्ट्र विकास में योगदान

डॉ. बोंडे ने कहा, राष्ट्र होना चाहिए प्रथम, बाकी सब दोयम

विदर्भ स्वाभिमान, १४ अगस्त

अमरावती - देश की आजादी की सालगिरह पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं. हम सभी के लिए [illegible] की भी बात है. सभी के साथ से ही राष्ट्र का विकास होगा. इस आशय का प्रतिपादन राकांपा के नेता, शिक्षाविद, समाजसेवी प्रा.डॉ. अजय बोंडे ने किया. उनके मुताबिक सभी देशवासियों को मिलकर देश को विश्व में नंबर एक पर पहुंचाने के लिए जुटना होगा.

जाति,धर्म, पंथ, भाषा,प्रांतवाद जैसे स्पीड ब्रेकरों को हटाने में योगदान देने के बाद ही देश तेजी से तरक्की से कर सकता है. मानवता की सेवा और सर्वधर्म समभाव का पालन हर भारतीय के लिए जरूरी है. इसके साथ ही राष्ट्र के विकास में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है. ऐसे में युवाओं को इसके लिए आगे आना होगा. देश की आजादी के बाद से आज देश ने सभी क्षेत्रों में प्रगति की है. इसका श्रेय किसी एक को नहीं बल्कि समूचे देश को जाता है. प्रा.डॉ. बोंडे के मुताबिक अमृत महोत्सव की खुशी के साथ ही जिम्मेदारी और दायित्व की भी जिम्मेदारी सभी को उठानी चाहिए. आज देश के समक्ष कई समस्याएं भी हैं, उनके निराकरण के साथ ही देश के विकास में जब सभी का योगदान मिलेगा तो निश्चित ही देश कामयाबी का इतिहास दर्ज करेगा. हमारे देश का गौरवमयी इतिहास रहा है. वसुधैव कुटुंबकम की भावना भारत ने ही विकसित की है. आज देश तरक्की कर रहा है लेकिन इसके साथ ही कुछ सवाल भी तकलीफ दे रहे हैं.उन्हें भी हल करने का प्रयास करना होगा. तभी हम सर्वांगीण विकास की राह पकड़ सकेंगे. युवाओं की ताकत के साथ ही बुजुर्गों का मार्गदर्शन देश को है. यह दोनों ही जिसके पास रहते हैं, उस राष्ट्र की प्रगति को कोई भी रोक नहीं सकता है. इसका ध्यान रखते हुए सभी को देश के विकास में हरसंभव योगदान देने के लिए तत्पर रहना चाहिए. अमृत महोत्सव को ऐतिहासिक ढंग से मनाने का आग्रह भी किया.

सभी के साथ से ही होगा देश का विकास

सेवानिवृत्त कार्यकारी अभियंता हेमंत पटेरिया ने कहा

अमरावती - देश ने हमें क्या दिया है, इसकी बजाय देश को हम क्या दे सकते हैं, इस बारे में विचार किया जाना चाहिए. समूचे विश्व में जितनी स्वतंत्रता भारत में है, यहां लिखने, बोलने और व्यवहार करने की आजादी है,दुनिया के किसी देश में शायद ही नागरिकों को इतनी आजादी मिली है. ऐसे में हम सभी का दायित्व बनता है कि देश के विकास, देश के गौरव और गरिमा को बढ़ाने में अपना योगदान दें. भारत में अपार संभावनाएं हैं. केवल मामूली बातों को लेकर आपस में उलझने से देश की प्रगति रूकती है. जिस दिन सभी देशवासियों के लिए राष्ट्र पहली प्राथमिकता बन जाएगा, दुनिया की कोई ताकत इसे आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती है. इस आशय का प्रतिपादन सेवानिवृत्त कार्यकारी अभियंता और सामाजिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहने वाले न्यू गणेश कॉलोनी निवासी हेमंतकुमार पटेरिया ने किया. उन्होंने कहा कि देश की आजादी का अमृत महोत्सव सभी देशवासियों के लिए गर्व का विषय है- इससे अपार उत्साह के साथ मनाने के साथ ही एकता तथा देश विकास में सभी को अपना योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए.

आजादी के लिए लाखों स्वाधीनता सेनानियों, जवानों ने कुर्बानी दी है. इनके त्याग, बलिदान के कारण हमें आजादी मिली है. ऐसे में हम सभी भारतीयों के लिए जाति, धर्म, पंथ, भाषा, प्रांतवाद से भी ऊपर राष्ट्रवाद रहना चाहिए. राष्ट्र के ऊपर कोई भी नहीं है, इसका विचार सदैव करना चाहिए. आजादी के दीवानों ने देश को आजाद करा दिया. उनके अरमानों और सपनों का भारत तैयार करना हम सभी की जिम्मेदारी है.भारत को युवाओं का देश कहा जाता है. जहां अनुभवी बुजुर्गों की संख्या देश में भरपूर है, वहीं उनके अनुभव को वास्तविक रूप देने की ताकत वाले करोड़ों युवा हैं.आजादी के अमृत महोत्सव वर्षको देश में जल्लोश के साथ मनाने का आग्रह हेमंतकुमार पटेरिया ने किया है.

सभी के साथ से सोने की चिड़िया बनेगा भारत

प्राचार्य सुधीर महाजन का प्रतिपादन

किसी भी राष्ट्र की प्रगति देशवासियों के त्याग, देशप्रेम और समर्पण से होती है.भारत में अपार संभावनाएं हैं. १४० करोड़ देशवासी अगर कुछ ठान लें तो असंभव को संभव करने की ताकत रखते हैं. सभी के साथ से ही देश का विकास होता है. आजादी की सालगिरह पर सभी को देश के लिए तन समर्पित, मन समर्पित और यह जीवन समर्पित का भाव रखकर काम करने का संकल्प लेना चाहिए. यह संकल्प जिस दिन देश का हर व्यक्ति लेगा, उसी दिन से भारत फिर एक बार सोने की चिड़िया कहलाने लगेगा. इस आशय का मत राष्ट्रीय स्तर के वक्ता,पोदार इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य सुधीर महाजन ने किया. उन्होंने इस मौके पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी.

उनके मुताबिक हर व्यक्ति पर जो जिम्मेदारी डाली गई है, वह ईमानदारी से निभाए और जिस भी क्षेत्र में है, अपना १०० प्रतिशत योगदान दे, इतना करने से निश्चित तौर पर हमारे देश को आगे ले जाने से कोई नहीं रोक सकता है. हमने राष्ट्र को क्या दिया है, इसका विचार सभी को करने की सलाह दी. राष्ट्र प्रेम की जो भावना देश में पैदा हो रही है, उसकी सराहना करते हुए प्राचार्य सुधीर महाजन ने कहा कि आज पूरा देश राष्ट्रभक्ति और प्रेम से ओतप्रोत दिखाई दिया. समय के साथ चलने के साथ हमें यह सोचना होगा कि अगर राष्ट्र मजबूत होगा तो ही हम सभी मजबूत होंगे, राष्ट्र की सुरक्षा से हमारी प्रगति और सुरक्षा जुड़ी हुई है. इसका सभी को ध्यान रखने की सलाह दी.

सभी के साथ से ही होगा देश का विकास

समाजसेवी सुनील जयस्वाल का प्रतिपादन

अमरावती - भारत की प्रगति में जब सभी का योगदान मिलेगा तो निश्चित तौर पर यह देश विश्व में सबसे आगे रहने की क्षमता रखता है. मोदी सरकार द्वारा जिस तरह से राष्ट्रीयता को बढ़ावा देने के साथ सभी का साथ सभी का विकास पर काम कर रही है, वह काबिले तारीफ है. देश की आजादी के लिए शहीद हुए लाखों स्वाधीनता सेनानियों को नमन. साथ ही देश को फिर से विश्व का सिरमौर बनाने के प्रयासों में सभी को योगदान देते हुए आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए. राष्ट्र रहेगा तो ही हम रहेंगे, यह भावना हर भारतीय के मन में होनी चाहिए. सरकार द्वारा हर घर तिरंगा के फैसले को अभूतपूर्व बताते हुए होटल रामगिरी इंटरनेशनल ग्रुप के प्रमुख सुनील जयस्वाल ने आजादी की सालगिरह पर शुभकामनाएं दी.देश प्रेम से ओतप्रोत रहने वाले सुनील जयस्वाल का कहना है कि हमारा देश हमारे लिए जहाज के समान है. यह सुरक्षित रहेगा तो ही हम सभी सुरक्षित रहेंगे. इसलिए राष्ट्र की मजबूती, इसे गरिमा प्रदान करने के साथ ही इसके गौरव के लिए सभी को यथासंभव योगदान देने का आग्रह किया. उनके मुताबिक लाखों की शहादत के बाद हमें आजादी मिली है. देश में हर घर तिरंगा अभियान की सराहना करते हुए सुनील जयस्वाल ने कहा कि बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में राष्ट्र प्रेम की भावना तेजी से बढ़ना निश्चित ही सराहनीय है. आज इसकी अत्याधिक जरूरत है. जिन देशों में शांति नहीं है, वहां प्रगति के साथ ही जीवन किस तरह नरक हो जाता है, इसका अनुभव हमारे आसपास के पड़ोसी देशों की स्थिति को देखकर लगाया जा सकता है. उन्होंने भारतीय जैन संगठन के प्रमुख शांतिलाल मुथा के जन्मदिन और आजादी की सालगिरह पर प्रकाशित विदर्भ स्वाभिमान के विशेषांक को अपनी शुभकामनाएं दी.

स्मित हास्य के धनी शांतिलाल मुथा, समर्पितों की टीम

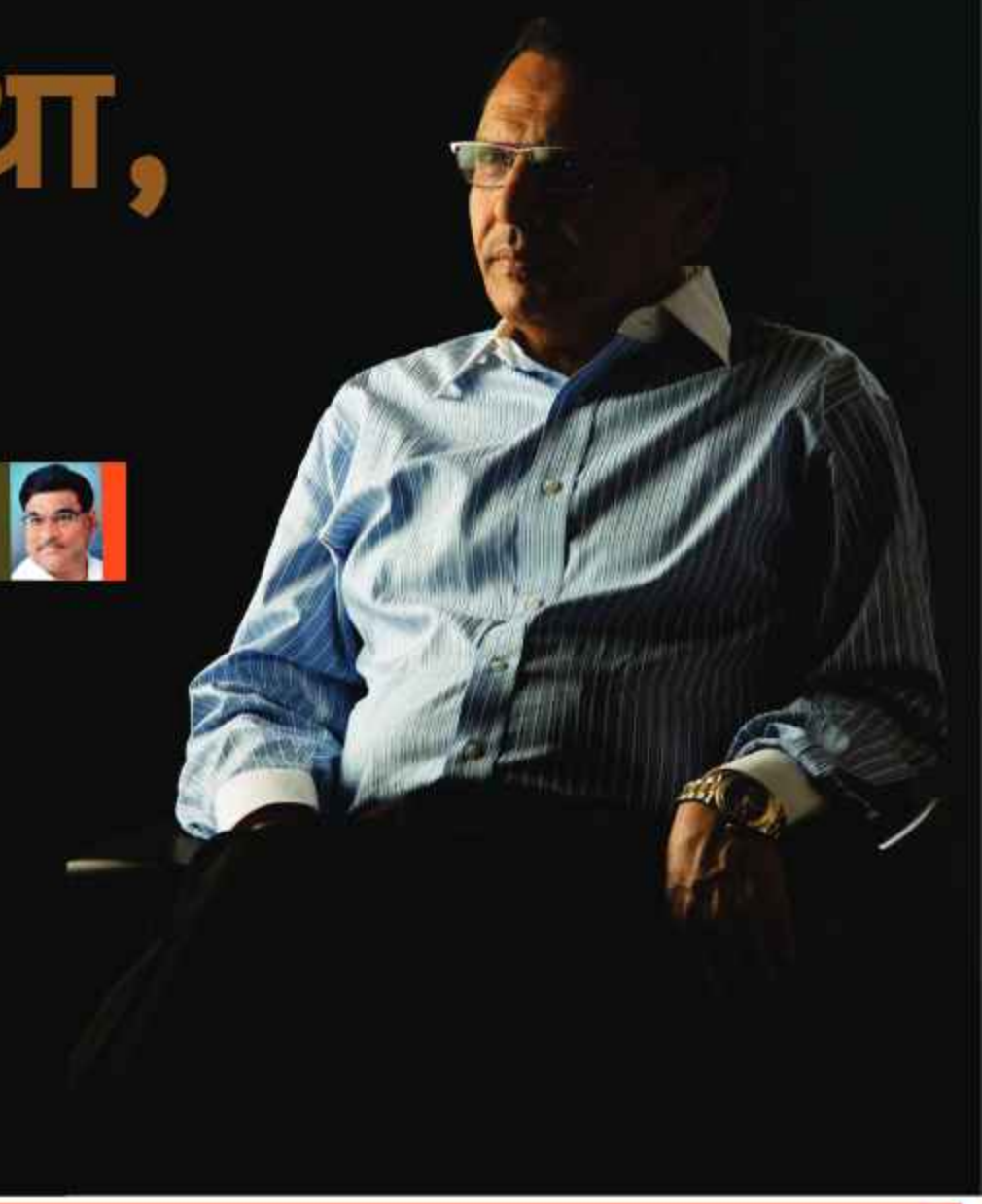

विदर्भ स्वाभिमान, १४ अगस्त

अमरावती–भारतीय जैन संगठन के माध्यम से देश में सेवाभाव की गंगा बहाने वाले संस्थापक अध्यक्ष शांतिलाल मुथा स्मित हास्य के साथ ही कार्यकर्ताओं को सदैव प्रोत्साहित करने का काम करते हैं. आदर्श कप्तान कैसा होना चाहिए, जो हर खिलाड़ी का ध्यान रखता है, इसके उदाहरण हैं. कार्यकर्ताओं की बात सुनना, सुनाना, समझने के साथ ही जहां समय देते हैं, वहीं विनम्रता इतनी कि कार्यकर्ताओं की पहले चिंता करते हैं.

व्यवसायी प्रदीप जैन ने बताया अनुभव

पहले जब मोबाइल पर कॉल रेट अधिक था तो कार्यकर्ता द्वारा लगाया गया कॉल काटकर स्वयं ही कॉल लगाकर बात करने जैसी आत्मीयता के कारण आज हजारों समर्पित कार्यकर्ताओं की टीम उनके पास है. अपने अनुभव बताते हुए आनंद परिवार के संचालक प्रदीप जैन बताते हैं कि कार्यकर्ताओं के साथ मित्रता का भाव रखते हैं.

जैन संगठन के कार्यक्रम में भोजन अवकाश के दौरान कार्यकर्ताओं से मुलाकात तथा उनकी पूछताछ के साथ ही पारिवारिक हाल–चाल लेने वाली आत्मीयता कार्यकर्ताओं को प्रभावित करती है. आरंभिक दौर में कार्यकर्ता को लेने के लिए स्वयं रेलवे स्टेशन तक जाते थे. उनकी एक बार आत्मीयता का अनुभव करने वाला हमेशा के लिए उनका हो जाता है. किसी काम से कार्यकर्ता पुणे पहुंचने पर शहर में घूमने के लिए अपनी कार और ड्राइवर देने के साथ ही उनकी व्यवस्था करने वाली उनकी अदा पर सभी फिदा होते हैं. यही कारण है कि आज आदर्श समर्पित कार्यकर्ताओं की टीम भाऊ के एक शब्द पर कुछ भी करने के लिए तैयार रहती है. मानवता के मसीहा के साथ ही बच्चों की मूल्य शिक्षा को वे अत्याधिक महत्व देते हैं. जैन समाज को सामाजिक सेवार्थी का दर्जा दिलाने के लिए वे सदैव प्रयासरत हैं.

भारत का गौरवशाली इतिहास रहा है. देश के विकास में सभी सरकारों ने अपना योगदान दिया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जमीन से जुड़े कार्यकर्ता से लेकर प्रधानमंत्री तक का सफर जिस तरह से सब का साथ सबका विकास की अवधारणा को पूरा कर रहे हैं वह सराहनीय है. कर्मठ, राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत रहने वाले नरेंद्र मोदी ने चाय वाले से लेकर मुख्यमंत्री होते हुए प्रधानमंत्री के पद तक जिस तरह से काम किया है और कर रहे हैं वह सभी भारतीयों के लिए गर्व का विषय है. विदर्भ स्वाभिमान द्वारा राष्ट्र के लिए समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन परिचय यहां प्रस्तुत किया जा रहा है.

राष्ट्र के लिए समर्पित नेता हैं नरेंद्र मोदी

नरेंद्र दामोदरदास मोदी का जन्म १७ सितंबर १९५० को गुजरात के वडनगर में हुआ। उनके पिता, दामोदरदास मूलचंद मोदी, एक छोटे चाय विक्रेता थे और उनकी माता, हीराबा, एक घरेलू महिला थीं। मोदी जी का बचपन आर्थिक तंगी में बीता, लेकिन उनकी संघर्षशीलता और आत्मनिर्भरता ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। छोटी उम्र में ही मोदी जी ने अपने पिता की चाय की दुकान पर काम करना शुरू कर दिया था।

वडनगर के भगवताचार्य नारायणाचार्य स्कूल में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद, मोदी ने अपना जीवन समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातक किया और बाद में गुजरात विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की। उनकी शिक्षा और आरंभिक जीवन के अनुभवों ने उनके व्यक्तित्व और विचारधारा को गहरे रूप से प्रभावित किया कि वह संघ से जुड़ गए.

मोदी जी ने अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ बिताया। १९६७ में, १७ साल की उम्र में, वे आरएसएस से जुड़े। आरएसएस के कार्यों ने उनकी सोच और कार्यशैली को गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने आरएसएस के प्रचारक के रूप में काम किया और संगठन के विभिन्न स्तरों पर अपनी सेवा दी। १९७१ में, वे पूर्णकालिक प्रचारक बने और भारत के विभिन्न हिस्सों में संगठनात्मक कार्यों का नेतृत्व किया। आरएसएस के प्रचारक के रूप में उनके अनुभव ने उनके राजनीतिक जीवन को दिशा दी और उन्हें भारतीय राजनीति में एक सशक्त नेता के रूप में उभरने में मदद की।

पुखराज राजपुरोहित
9028123251

२०२४ तक की प्रमुख घटनाएं और उपलब्धियां

१. स्वच्छ भारत अभियान (२०१४): मोदी जी ने २ अक्टूबर २०१४ को महात्मा गांधी के जन्मदिवस पर स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की। इसका उद्देश्य २०१९ तक भारत को खुले में शौच से मुक्त (जऊक) करना था। इस अभियान के तहत लाखों शौचालय बनाए गए और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई।

२. जन धन योजना (२०१४): यह योजना प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा शुरू की गई थी जिसका उद्देश्य सभी भारतीयों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ना था। इस योजना के तहत करोड़ों बैंक खाते खोले गए और गरीबों को वित्तीय समावेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

३. मेक इन इंडिया (२०१४): मोदी जी ने भारत को एक वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के उद्देश्य से मेक इन इंडिया अभियान की शुरुआत की। इस अभियान ने निवेश को बढ़ावा दिया और रोजगार के अवसरों का सृजन किया।

४. सर्जिकल स्ट्राइक (२०१६): उरी हमले के बाद, भारतीय सेना ने पाक-अधिकृत कश्मीर में सर्जिकल स्ट्राइक की। यह मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय सुरक्षा बलों की दृढ़ता और निर्णय लेने की क्षमता का परिचायक था।

५. जीएसटी लागू (२०१७): मोदी सरकार ने भारत में वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) को लागू किया। यह कर सुधार स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे बड़ा आर्थिक सुधार माना गया, जिसने देशभर में एकीकृत कर प्रणाली को स्थापित किया।

६. नोटबंदी (२०१६): ८ नवंबर २०१६ को, मोदी जी ने ५०० और १००० रुपये के नोटों को बंद करने की घोषणा की। इस कदम का उद्देश्य काले धन, नकली मुद्रा, और आतंकवाद के वित्तपोषण पर अंकुश लगाना था।

७. आयुष्मान भारत योजना (२०१८): मोदी जी ने आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य देश के गरीब और जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना था। यह दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है।

८. राम मंदिर निर्माण (२०२०): प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। ५ अगस्त २०२० को उन्होंने मंदिर की आधारशिला रखी, जो हिंदू समाज के लिए ऐतिहासिक घटना थी।

९. कोविड-१९ महामारी के दौरान नेतृत्व (२०२०-२०२२): कोविड-१९ महामारी के दौरान, मोदी जी ने देश का नेतृत्व किया और महामारी से निपटने के लिए टीकाकरण अभियान चलाया। उन्होंने वोकल फॉर लोकल का नारा दिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य देश को आत्मनिर्भर बनाना था।

१०. चंद्रयान और मंगलयान मिशन: मोदी जी के कार्यकाल में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। चंद्रयान-२ और मंगलयान मिशन ने भारत को विश्व के अग्रणी अंतरिक्ष अनुसंधान देशों में शामिल किया।

मानव सेवा को समर्पित भारतीय जैन संघटन

जैन समाज द्वारा राष्ट्र के निर्माण के साथ मानव सेवा, स्वच्छ भारत तथा गरीब बच्चों की शिक्षा, बेहतरीन स्वास्थ्य, पर्यावरण संतुलन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर हिमालय इतना कार्य किया गया है. भारतीय जैन संगठन जहां आदर्श संगठन है वहीं इसकी स्थापना करने वाले शांतिलाल मुथा द्वारा किए गए सामाजिक कार्य को कुछ पन्नों में समेटना असंभव है. संगठन द्वारा किए गए प्रमुख कार्यों को यहां धर्म कर्म और अचार विचारों को सदैव प्रोत्साहन देने वाले विदर्भ स्वाभिमान द्वारा प्रस्तुत करने का छोटा सा प्रयास किया जा रहा है.

श्वेता दुबे
8855019189

भारतीय जैन संगठन मानव सेवा समर्पित संगठन के साथ ही आपदा प्रबंधन, शिक्षा तथा स्वयं रोजगार के क्षेत्र में लगातार प्रयासरत रहता है. लातुर में १९९३ में भूकंप आने के बाद शिक्षा से वंचित १२०० छात्रों की शिक्षा का जहां प्रबंध किया, वहीं दूसरी ओर कुपोषण से पीड़ित मेलघाट के ३५० आदिवासी बच्चों के शिक्षा की व्यवस्था की. गुजरात में आए महाविनाशकारी भूकंप के कारण कई स्कूल ढह गए थे, इससे छात्रों की शिक्षा प्रभावित हो रही थी. संगठन ने यहां अल्प समय में ३६८ स्कूलों का निर्माण कर छात्रों की शिक्षा का कार्य पूर्ण करने में योगदान दिया. २००२ मे अकोला में बाढ़ ने जब तबाही मचाई, उस समय १५००० से अधिक नागरिकों के रहने और भोजन का प्रबंध किया गया था. वर्ष २००४ में अंडमान निकोबार में सुनामी ने भारी तबाही मचाई थी इस समय संगठन द्वारा ११ स्कूल और ३४ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से प्रभावितों को सेवा दी गई थी तमिलनाडु में २००४ में सुनामी आने के बाद यहां भी राहत एवं बचाव कार्य में संगठन ने महत्वपूर्ण योगदान दिया. २००५ में जम्मू कश्मीर में भूकंप के कारण भारी तबाही हुई थी १५००० से अधिक नागरिक प्रभावित हुए थे बच्चों की शिक्षा के साथ प्रभावितों की मदद के लिए संगठन द्वारा सराहनीय कार्य किया गया. महाराष्ट्र में २००५ से २००८ तक बाढ़ ने महाराष्ट्र को हिला कर रख दिया बिहार भी बाढ़ से प्रभावित हुआ. इस दौरान संगठन द्वारा मदद कार्य में व्यापक सहयोग दिया गया. सूखा प्रभावित महाराष्ट्र में २०१६ में संगठन द्वारा १९ जल वितरण केंद्र के माध्यम से हजारों लोगों को राहत देने का प्रयास किया. २०१७ में महाराष्ट्र में भूजल स्तर बढ़ाने के लिए संगठन द्वारा ५०० से अधिक जेसीबी और अन्य मशीनरी के माध्यम से व्यापक स्तर पर कार्य किया गया जिसकी सराहना तत्कालीन सरकार ने भी की. संगठन के प्रयासों से भूजल स्तर में सुधार भी व्यापक पैमाने पर हुआ और सुजलाम सुफलाम की दिशा में संगठन सहयोग देने के लिए सभी की सराहना बटोरने लगा.

कोरोना महामारी के दौरान इस संगठन ने जरूरतमंद मरीजों के लिए ४२ रक्तदान शिविर लेकर १३०६६ यूनिट रक्त जमा करने के साथ १००० से अधिक क्वॉरंटाइन लोगों की सहायता का भी प्रयास किया था. संगठन ने २२३ मोबाइल अस्पतालों के माध्यम से १४ लाख ८७ हजार ८६३ नागरिकों को मदद करने का कार्य किया था. देशभर में १२२ केंद्रों के माध्यम से १८ लाख ८४ हजार ३३७ लोगों को कोरोना के टीके लगाने में सहयोग दिया था. गरीब छात्रों की शिक्षा के साथ ही छात्र-छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में संगठन द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है. इसके प्रयासों को सभी का साथ भी मिल रहा है. समर्पित कार्यकर्ताओं की टीम संगठन की सबसे बड़ी खूबी है.

आत्मनिर्भरता पर जोर

भारतीय जैन संगठन के संस्थापक शांतिलाल मुथा बेहतरीन शिक्षा के साथ आत्मनिर्भरता पर जोर देते हैं. अभी तक संगठन द्वारा ७ लाख २३ हजार ८९५ बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने में सफलता मिली हैं. और प्रयास अभी भी जारी हैं. ४४ लाख ६७ हजार ९५६ छात्रों को मूल्य वर्धन शिक्षा देने का कार्य संगठन ने किया है. अभी तक ४०५४ बच्चों के पुनर्वासन का कार्य संगठन द्वारा किया गया है.

वेडिंग गामा प्रोडक्शन
लाइला कस्टमर योजना

हमारे यहां से पासपोर्ट फोटो निकलवाने वाले सभी ग्राहकों को अगले 5 वर्षों तक हर साल एकबार पासपोर्ट फोटो मुफ्त में दिया जाएगा।
राजपुरोहित फोटो स्टूडियो
द्वारा संचालित वेडिंग गामा प्रोडक्शन
शारदा नगर, रघुवीर मोटर के पास, अमरावती

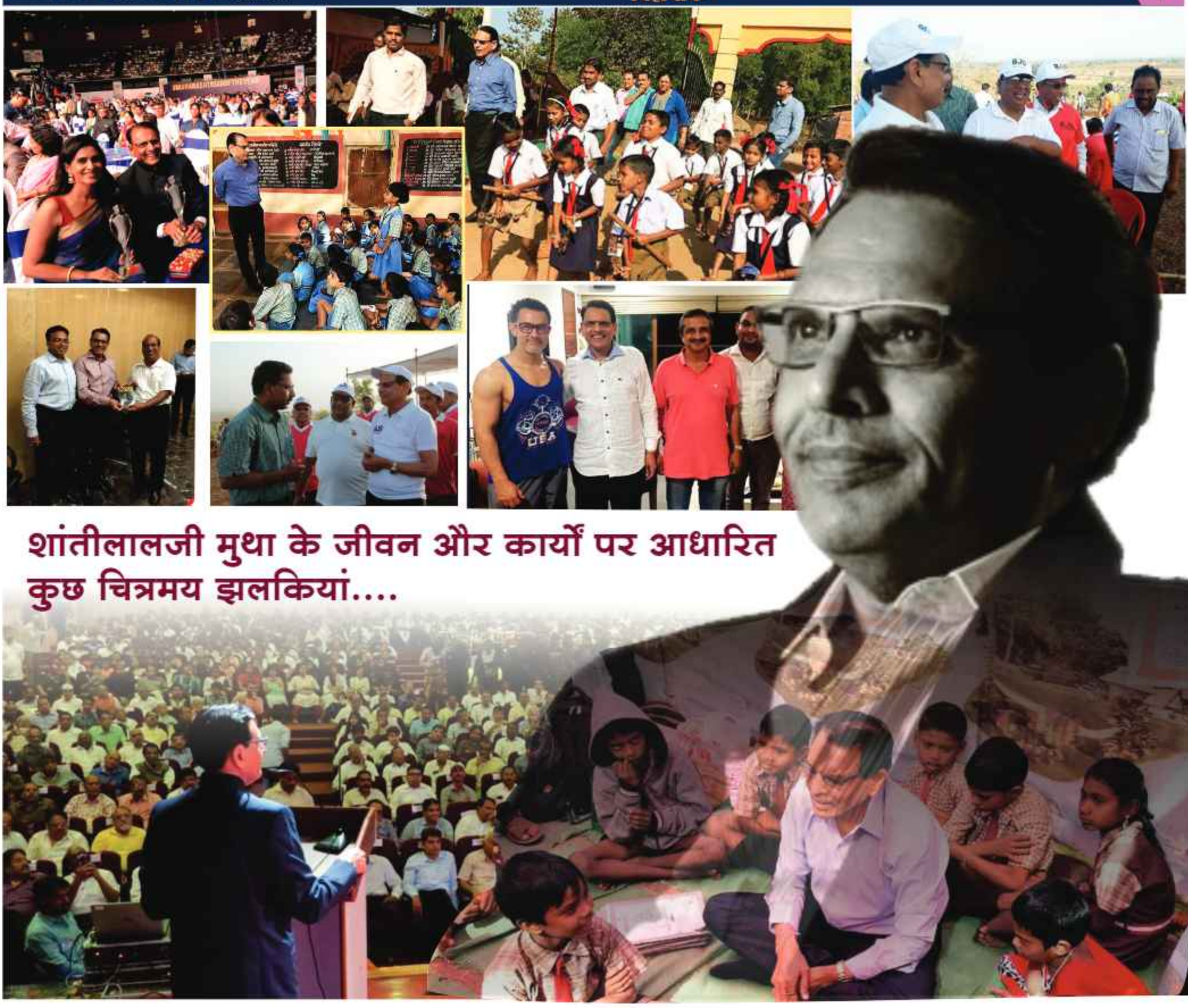

शांतीलालजी मुथा के जीवन और कार्यों पर आधारित कुछ चित्रमय झलकियां....

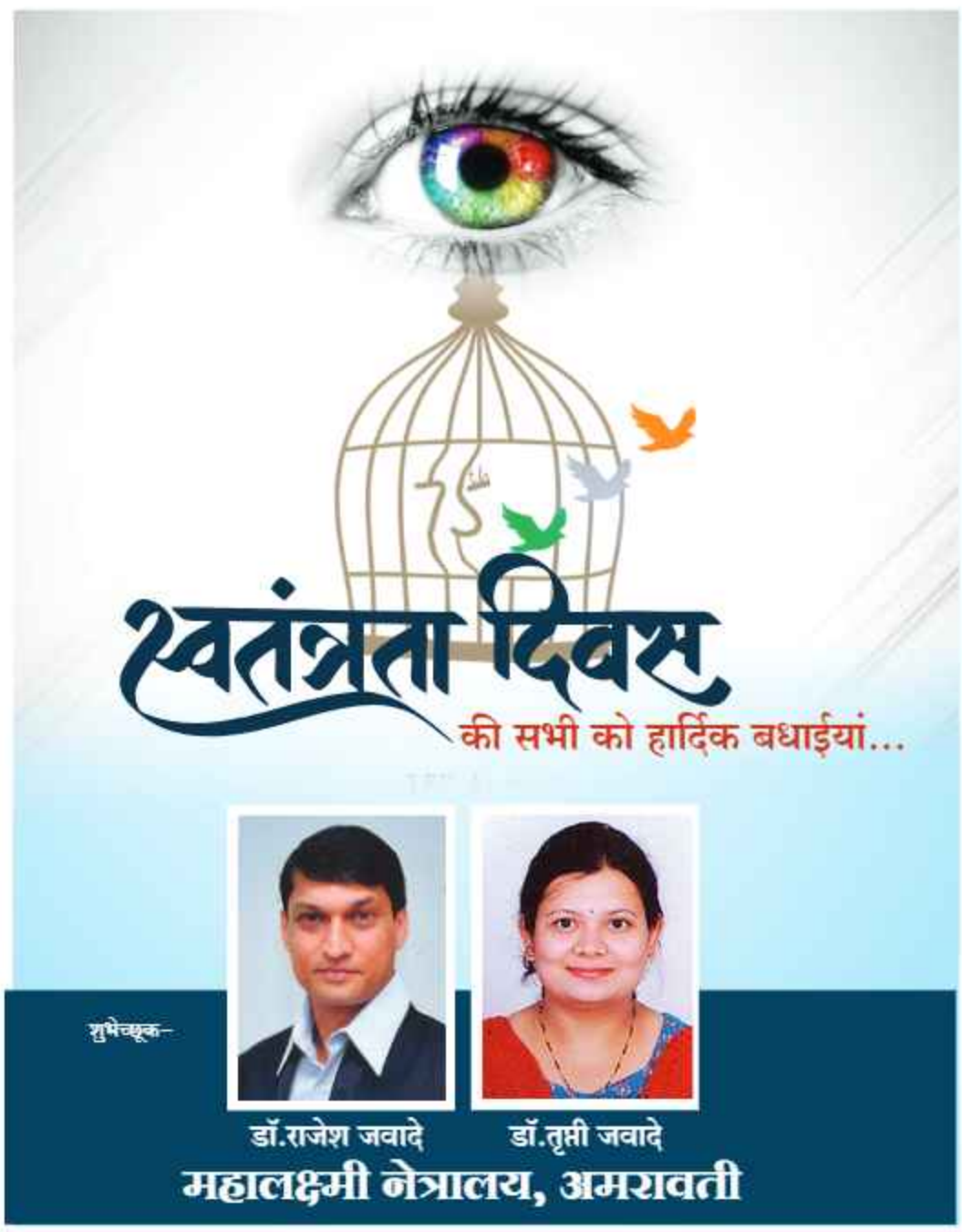

कहावत है कि बालक के पांव पालने में ही दिखाई देने लगते हैं. भारतीय जैन संगठन के माध्यम से समाज सेवा तथा राष्ट्र सेवा का इतिहास रचने वाले इसके संस्थापक शांतिलाल मुथा का व्यक्तित्व भारत ही नहीं बल्कि उनके कार्यों की सराहना विश्व स्तर पर की जाती है. ६ महीने की उम्र में मां की ममतामई छांव से वंचित होने और गरीबी पले रहने के बाद भी हिम्मत नहीं हारते हुए मानवता की सेवा को ही जीवन का लक्ष्य बना दिया. प्रकृति हमेशा अच्छे के साथ अच्छा करती है इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण वह हो सकते हैं.

बचपन से ही संवेदनशील शांतिलाल मुथा

अपनी परेशानियों को दूर करते हुए जिस तरह का संघर्ष उन्हें करना पड़ा वह अन्य को नहीं करना पड़े इसके लिए प्राकृतिक आपदा हो, अशांति का माहौल हो, दिन दलित और पीड़ितों के साथ ही आदिवासी बच्चों के जीवन को संवारने के साथ जल है तो कल है की धारणा पर उनका महान कार्य कोई भी इनकार नहीं कर सकता है. जैन समाज में शादी समारोह पर होने वाली फिजूल खर्ची को लगाम लगाने के लिए सामूहिक विवाह तथा परिचय सम्मेलन पर उनका कार्य व्यापक है. भारतीय जैन संगठन भारत का ऐसा संगठन है जिसने सरकार के साथ मिलकर ऐसे -ऐसे कार्य किया है जो बाकी के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं रहता. भूजल स्तर कम होने के बाद किस तरह की स्थिति पैदा हो सकती है इसका विजन रखते हुए उन्होंने पानी फाउंडेशन के साथ मिलकर कुछ समय तक पूरे महाराष्ट्र में व्यापक पैमाने पर कार्य किया है. उद्योगपति रतन टाटा, मुकेश अंबानी, बिल गेट्स, इनफोसीस के नारायण मुर्ती के साथ ही उनके सेवा कार्य से प्रभावित कई ऐसे नाम बताए जा सकते हैं जिन्होंने उनके कार्यों की सराहना की. रतन टाटा ने तथा अन्य उद्योगपतियों ने सराहना के साथ उनके कार्य में भरपूर सहयोग भी दिया.

बिना किसी स्वार्थ के हजारों बच्चों का जीवन संवारना कोई आसान कार्य नहीं है. शांतिलाल मुथा का कार्य और उसे कार्य को लेकर समर्पण अभूतपूर्व है. सेवाभावी कामों में भारतीय जैन संगठन का उदाहरण दिया जाता है अपने लिए जिए तो क्या जिए की संकल्पना पर जहां उन्होंने काम किया है, वहीं उनका कार्य मानवता के हित में तथा राष्ट्र के हित में सदैव अग्रणी रहा है. आजादी की सालगिरह और देश के प्रति अपार समर्पण रखने वाले शांतिलाल मुथा को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की करोड़ो मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. भारतीय जैन संगठन जैसे देश में अगर कुछ ही संगठन हो जाएं तो निश्चित तौर पर देश की दिशा बदलने में समय नहीं लगेगा.

सुभाष दुबे
9423426199

फिल्म अभिनेता आमिर खान के साथ मिलकर उन्होंने भूजल स्तर बढ़ने के लिए अमरावती जिले के बरुड़ से लेकर राज्य स्तर पर जिस तरह से कार्य किया और आज उसके बेहतरीन परिणाम दिखाई दे रहे हैं इसके लिए उनके विजन की निश्चित तौर पर सराहना की जानी चाहिए. प्राकृतिक स्थिति ठीक रहने के बाद ही इंसान सही तरीके से जी सकता है लेकिन यह भी कम विडंबना नहीं है कि अस्पताल में भर्ती होने और ऑक्सीजन लगने पर इंसान हजारों रुपए का बिल अदा करता है लेकिन जो प्रकृति हमें २४ घंटे जिंदा रखने के लिए ऑक्सीजन देता है वह पेड़ पौधों को लेकर उतना गंभीर नहीं है, जितना गंभीर होना चाहिए. जिस तरह जल है तो ही कल है उसी तरह मानव जीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का संतुलन जरूरी है. यह किसी एक दो कि नहीं बल्कि हर उस इंसान की जिम्मेदारी है, जो बेहतरीन जीवन चाहता है. महान समाज सेवक तथा कई पुरस्कारों से सम्मानित शांतिलाल मुथा के व्यक्तित्व को समेटना किसी गागर में सागर समेटने जैसा है. लेकिन उनके जन्मदिन पर यह छोटा सा प्रयास उनके साथ काम करने वाले हमारे मार्गदर्शक सुदर्शन गांग, प्रदीप जैन तथा अरुण भाऊ कडू के विशेष सहयोग से करने का प्रयास कर रहा हूं. प्रभु उन्हें स्वस्थ रखें और दीर्घायु प्रदान करें, ताकि उनका राष्ट्र कार्य और सामाजिक कार्य, गरीब बच्चों की शिक्षा का सिलसिला, भूकंप, सुनामी जैसी आपदा में इसी तरह सदैव चलता रहे, प्रभु चरणों में यही विनम्र कामना.

राजपुरोहित फोटो स्टूडियो द्वारा संचालित वेडिंग गामा प्रोडक्शन ने लॉन्च की लाड़का कस्टमर योजना: अब पांच साल तक मुफ्त पासपोर्ट फोटो सेवा

विदर्भ स्वाभिमान, १४ अगस्त

अमरावती–जिले ही नहीं बल्कि समूचे राज्य में ग्राहक हितैषी योजनाओं के लिए पहचान रखने वाले राजपुरोहित डिजिटल फोटो स्टूडियो द्वारा महाराष्ट्र सरकार की अपार लोकप्रियता हासिल कर रही लाडली बहन योजना के तर्ज परके तर्ज पर लाडला कस्टमर योजना शुरू की गई है. इसमें यहां पर एक बार पासपोर्ट फोटो निकालने पर ग्राहक को अगले ५ साल तक प्रतिवर्ष एक बार मुफ्त में पासपोर्ट फोटो निकाल कर दिया जाएगा. योजना को अपार प्रतिशत मिलने की जानकारी कंपनी के सीईओ पुखराज राजपुरोहित ने विदर्भ स्वाभिमान को देते हुए अधिक अधिक संख्या में लाडले ग्राहकों से योजना का शारदा नगर रघुवीर मोटर्स के सामने स्थित स्टूडियो में पहुंचकर लाभ उठाने का आग्रह किया है.

अमरावती के शारदा नगर में स्थित राजपुरोहित फोटो स्टूडियो, जोकि वेडिंग गामा प्रोडक्शन के नाम से मशहूर है, ने अपने ग्राहकों के लिए एक नई और अनोखी योजना की घोषणा की है। इस योजना का नाम लाड़का कस्टमर योजना रखा गया है। यह योजना मुख्यमंत्री योजना से प्रेरित होकर शुरू की गई है और इसका उद्देश्य ग्राहकों को दीर्घकालिक लाभ प्रदान करना है।

योजना का उद्देश्य और लाभ

लाड़ला कस्टमर योजना के तहत, इस साल वेडिंग गामा प्रोडक्शन से पासपोर्ट फोटो निकलवाने वाले सभी ग्राहकों को अगले ५ वर्षों तक हर साल एक बार पासपोर्ट फोटो मुफ्त में दिया जाएगा। यह योजना विशेष रूप से उन ग्राहकों के लिए है जो नियमित रूप से पासपोर्ट फोटो की जरूरत महसूस करते हैं। पासपोर्ट फोटो का उपयोग केवल पासपोर्ट आवेदन के लिए नहीं, बल्कि कई अन्य सरकारी और गैर-सरकारी कार्यों में भी किया जाता है। इस योजना के माध्यम से, वेडिंग गामा प्रोडक्शन अपने ग्राहकों को दीर्घकालिक सुविधा प्रदान करने का प्रयास कर रहा है।

वेडिंग गामा प्रोडक्शन: एक परिचय

वेडिंग गामा प्रोडक्शन, राजपुरोहित फोटो स्टूडियो द्वारा संचालित एक प्रमुख फोटोग्राफी कंपनी है, जो विशेष रूप से वेडिंग फोटोग्राफी के क्षेत्र में प्रसिद्ध है। कंपनी का मुख्यालय शारदा नगर, नियर रघुवीर मोटर, अमरावती में स्थित है।

कंपनी की स्थापना के बाद से ही, यह अपने ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाली फोटोग्राफी सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी रही है। वेडिंग गामा प्रोडक्शन ने अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के चलते पूरे भारत में एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

योजना की प्रक्रिया और आवेदन

लाड़ला कस्टमर योजना में भाग लेने के लिए, ग्राहकों को इस वर्ष वेडिंग गामा प्रोडक्शन में पासपोर्ट फोटो खिंचवाना होगा। इसके बाद, वे अगले ५ वर्षों तक प्रति वर्ष एक पासपोर्ट फोटो मुफ्त में प्राप्त करने के पात्र हो जाएंगे। यह सेवा ग्राहकों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के प्रदान की जाएगी। इसके लिए, ग्राहकों को वेडिंग गामा प्रोडक्शन के साथ अपने फोटो रिकॉर्ड को अपडेट रखना होगा, ताकि उन्हें हर साल इस सेवा का लाभ मिल सके। कंपनी के सीईओ पुखराज राजपुरोहित इस क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पहचाना नाम है. वेडिंग वेडिंग में जहां उन्हें विशेषज्ञ हासिल है वही ग्राहकों का अपार विश्वास जीतने में यह कंपनी सफल हुई है. सामाजिक दायित्व की भावना से कुछ ना कुछ उपक्रम साल भर चलने के कारण हजारों की संख्या में ग्राहक उनसे जुड़े हुए हैं. योजना का लाभ लेने के लिए बड़ी संख्या में नागरिक शारदा नगर स्थित स्टूडियो में भी पहुंच रहे हैं. इस तरह की ५ साल के दीर्घ काल वाली योजना देने वाले महाराष्ट्र के पहले फोटोग्राफर भी बन गए हैं.

वेडिंग गामा प्रोडक्शन ने इस योजना को अपने सामाजिक जिम्मेदारी और ग्राहक सेवा के एक हिस्से के रूप में देखा है। कंपनी ने हमेशा अपने ग्राहकों की आवश्यकताओं को सर्वोपरि रखा है और इस योजना के माध्यम से, वे अपने ग्राहकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और भी मजबूत कर रहे हैं। इस योजना के माध्यम से, वेडिंग गामा प्रोडक्शन ने यह साबित किया है कि वे न केवल अपने ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करने में विश्वास रखते हैं, बल्कि दीर्घकालिक लाभ भी प्रदान करते हैं। भविष्य में भी अपने ग्राहकों के लिए इसी तरह की कई योजनाएं बनाने वाले पुखराज राजपुरोहित ग्राहकों को कम से कम खर्चे में बेहतरीन सेवा देने का प्रयास करते हैं. योजना का लाभ लेने का आग्रह उन्होंने अपने लाडले ग्राहकों से किया है.

(सामान्य प्रशासन विभाग जिल्हा परिषद)

जिल्हा परिषदे मधील निरुपयोगी भंगार वस्तुंचा जाहिर लीलाव सुचना

सर्व जनतेच्या माहितीसाठी या सुचनेद्वारे जाहीर करण्यात येते की, अमरावती जिल्हा परिषद मालकीच्या तसेच ताब्यातील निरुपयोगी विनावापर भंगार वस्तुची जाहीर लिलावाद्वारे दिनांक २३/०८/२०२४ वेळ दुपारी १२.०० वाजल्यापासुन खालील दिलेल्या ठिकाणी भंगार वस्तुची विक्री करावयाची आहे.

अ. क्र.	विभागाचे नांव	लिलावाद्वारे निकालात काढावयाचे एकुण साहित्य	हर्रास दिनांक	वस्तु पहावयाचे ठिकाण
१	२	३	५	६
१.	सामान्य प्रशासन विभाग, जि.प. अमरावती	कार्यालयीन ऑफीस टेबल, खुर्ची, लोखंडी,कपाट, लोखंडी रॅक इत्यादी कार्यालयीन तुटलेले कुलर, वॉटर कुलर, लाकडी खुर्ची, लाकडी कपाट, लाकडी रॅक इत्यादी कार्यालयीन वाहनाचे स्पेअर्स पार्ट, वाहनाचे टायर्स, बॅटरीस खराब झालेले संगणक, प्रिंटर्स, युपीएस बॅटरी खराब झालेले टेलीफोन इतर प्लास्टीक चेअर, टेलीफोन फॅक्स मशीन	२३/८/२०२४	जिल्हा परिषद गोडाऊन पोलीस स्टेशन जवळ नांदगांव पेठ ता.जि.अमरावती दि.१६/८/२०२४ ते २२/८/२०२४ पर्यंत कार्यालयीन कामकाजाचे दिवशी ११ ते ५ वाजेपर्यंत पाहावयास उपलब्ध राहील.

लिलावाच्या अटी व शर्तो सविस्तरपणे जिल्हा परिषद, अमरावतीच्या www.zpamravati.in या संकेतस्थळावर किंवा कार्यालयामध्ये कार्यालयीन दिवशी दिनांक १६/८/२०२४ पासुन पाहावयास मिळेल.त्याप्रमाणे उपरोक्त साहित्य लिलावाचे दिवशी व ठिकाणी वितरीत करुन त्याचुन दाखविण्यात येईल.

तरी इच्छुक बोलीदाराने लिलावाचे तारखेस व वेळी उपस्थित राहावे.

(संजीता माहपात्र भाप्रसे)
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
जिल्हा परिषद, अमरावती